डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 55 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 04 दिसम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

फीनिक्स पक्षी की बाघ वाली यह दहाड़...

प्रकाश भटनागर

आने वाले कल में क्या होगा, यह भाजपा का शीर्ष नेतृत्व ही जाने, लेकिन बीते कल की एक बात क्या से क्या होकर सच हुई है। यह समझना रोचक है। तो ये उस अतीत की बात, जब यह प्रतीत होने लगा था कि शिवराज सिंह चौहान इस विधानसभा चुनाव में बतौर मुख्यमंत्री अपने सियासी करियर की शरशय्या पर ला दिए जा चुके हैं। तब इन हालात से जुड़े एक सवाल पर चौहान ने खुद की तुलना उस फीनिक्स पक्षी से की थी, जो स्वयं की राख से भी फिर जन्म ले लेता है।

दंभ कभी भी प्रकट रूप में शिवराज के व्यवहार का हिस्सा नहीं रहा और उनकी यह बात भी अब दंभोक्ति साबित नहीं हुई है। जब आप यह कहते हैं कि मध्यप्रदेश के चुनावी नतीजों में लाडली बहना योजना की बड़ी भूमिका रही तो आप यह भी मानेंगे कि इस योजना के पीछे का प्रमुख फैक्टर शिवराज ही थे। यह उनकी वर्ष 2005 से इस चुनाव तक की संचित निधि रही, जिसने राज्य की महिलाओं को भविष्य में तीन हजार रुपए प्रति माह देने की बात पर विश्वास में ले लिया। शिवराज अपनी अनेक घोषणाओं के क्रियान्वयन में लोगों का इस तरह से यकीन जीत चुके थे, इसलिए आम जनता के बीच लाड़ली बहना योजना के एक हजार से तीन हजार तक के सफर को लेकर कोई संदेह का वातावरण नहीं रहा। कांग्रेस लाख शिवराज को झूठी घोषणाओं की मशीन कहती रही हो। लेकिन, अब तो यह जनता ने ही साबित किया है कि शिवराज है तो विश्वास है।

पहले से लेकर चौथे कार्यकाल तक में शिवराज अपनी सहजता, सरलता और विशेषकर गरीब तबके के प्रति सरोकार के चलते भी लोगों का अधिक से अधिक विश्वास जीतने में कामयाब रहे। और यही फैक्टर अंतत: भाजपा को भी सफलता दिलाने का बड़ा आधार बन गया। यह चुनाव शिवराज के लिए किसी अग्निपथ पर चलने वाली चुनौती रहा। वह भी 'पीछे बंधे हैं हाथ और शर्त है सफर की। किससे कहें कि पांव के कांटे निकाल दे' वाले अंदाज में। वह अंदर और बाहर की चुनौतियों से बराबरी के साथ जूझते रहे। यह भी तय था कि यदि पार्टी चुनाव हार जाती, तो इसका ठीकरा भी चौहान के सिर पर ही फोड़ा जाता।

इन चर्चाओं पर भी अब तक कोई विराम नहीं है कि जीत की सूरत के बावजूद शिवराज की मुख्यमंत्री वाले पद और कद के योग समाप्त हो गए हैं। लेकिन, नैराश्य वाली ऐसी प्रचंड आंधियों के कोहराम की बीच भी शिवराज पूरी ताकत के साथ आगे बढ़ते रहे और अब जब यह शोर थम गया है, तब सब देख रहे हैं कि किस तरह फीनिक्स पक्षी किसी टाइगर की तरह ही दहाड़ने की क्षमता से अब भी चूका नहीं है। इस जीत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सक्रिय भूमिका का भी उल्लेखनीय महत्व रहा। मोदी ने मध्यप्रदेश सहित राजस्थान और छत्तीसगढ़ में पूरी शिद्दत से प्रचार किया। इसमें कोई संदेह नहीं कि मोदी आज भी मतदाताओं के ऊपर जादुई असर रखते हैं और इन तीन राज्यों के नतीजों ने इस तथ्य को पूरी ताकत के साथ स्थापित कर दिया है। साफ है कि डबल इंजन की सरकार वाले नाम को सही काम के रूप में स्थापित करने का जो प्रयोग मोदी ने आरंभ किया था, उसे शिवराज ने और सही दिशा दिखाई है।

संसदीय क्षेत्र में लाड़ली और मामा का चला जादू..!

कांग्रेस का सूपड़ा साफ, आठ में सात पर खिला कमल

❊ विपीन ने रोकी यशपाल की राह, जगदीश देवड़ा ने तोड़ा रिकॉर्ड ❊ हरदीपसिंह डंग और चंदरसिंह को मिली एक तरफा जीत ❊ राजेंद्र पाण्डेय, अनिरुद्ध माधव मारु और दिलीपसिंह परिहार भी जीते

मंदसौर, 3 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के साथ ही मंदसौर विधानसभा को छोड़कर संसदीय क्षेत्र में शिवराजसिंह चौहान और लाडली बहना योजना का जादू चला। कांग्रेस का 7-1 से सफाया हो गया। मतलब आठ में से सात सीटों पर भाजपा ने कब्जा किया। मंदसौर सीट जरुर भाजपा के हाथ से चली गई लेकिन, यहां भाजपा नहीं भाजपा प्रत्याशी की हार मानी जा रही है। यहां हैट्रीक बनाकर चौथी बार मैदान में उतरे यशपालसिंह सिसौदिया को कांग्रेस के विपीन जैन ने हराया। इधर मल्हारगढ़का परिणाम भी चौकाने वाला आया। यहां कांटे की टक्कर मानी जा रही थी। वहीं जगदीश देवड़ा 59 हजार से अधिक मतों के अंतर से जीते। यहां तक ठीक है। लेकिन, यहां कांग्रेस के परशुराम सिसौदिया तीसरे नंबर पर रहे। जबकि कांग्रेस के बागी श्यामलाल जोकचंद दूसरे नंबर पर रहे। सुवासरा में फिर से कहानी रिपीट हुई। यहां हरदीपसिंह डंग ने राकेश पाटीदार को फिर से पटकनी दी। गरोठ की बात करें तो यहां कांग्रेस के पूर्व मंत्री सुभाष सोजतिया को दूसरी बार भाजपा प्रत्याशी बनें चंदरसिंह सिसौदिया ने हराया। इसके अलावा संसदीय क्षेत्र में अन्य सीटों पर नीमच से दिलीपसिंह परिहार, मनासा से अनिरुद्ध माधव मारु और जावरा से राजेंद्र पाण्डे ने जीत हासिल की।

मंदसौर में भाजपा प्रत्याशी पराजित...

संसदीय क्षेत्र में सिर्फ एक सीट मंदसौर विधानसभा भाजपा के हाथ से चली गई। लेकिन, माना जा रहा है कि यहां भाजपा नहीं भाजपा प्रत्याशी की हार हुई। जिले की बात करें तो चारों सीटों में से मंदसौर विस क्षेत्र का मुकाबला सबसे कशमश रहा। यहां आखिरी बीसवें राउंड तक स्थिति क्लीयर नहीं हो पा रही थी। लेकिन अंतत: कांग्रेस के विपीन जैन तीन बार के भाजपा विधायक यशपालसिंह को हराकर उनकी जीत की राह को रोक दिया। विपीन जैन ने यशपालसिंह को 2049 मतों से हराया। विपीन जैन को 1लाख 5 हजार 316 वोट मिले। जबकि, यशपालसिंह सिसौदिया को 1 लाख 3 हजार 267 वोट मिले। मंदसौर विधानसभा क्षेत्र के 1530 मतदाताओं ने नोटा का उपयोग करते हुए मैदान में खड़े सभी उम्मीदवारों को नकार दिया। इन मतों में डाक मत पत्रों का आंकड़ा भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि विपीन जैन कांग्रेस के जिलाध्यक्ष है। वहीं दलौदा के सरपंच भी रह चुके हैं। कहीं न कहीं इसका लाभ उन्हें मिला। शुरुआत में रेवास देवड़ा पट्टी के गांवों से विपीन मामूली बढ़त बनाए हुए थे। इसके बाद सिटी से भी मामूली बढ़त रही। बाद में दलौदा और उससे लगे गांवों में विपीन जैन को हर राउंड में बढ़त मिली।

कहीं नहीं ठहरे सरदार के सामने राकेश...

सुवासरा में सरदार का असर जारी रहा। 2013 में हरदीपसिंह ने कांग्रेस के टिकीट पर भाजपा के राधेश्याम पाटीदार को हराया। 2018 के चुनाव में फिर भाजपा के राधेश्याम पाटीदा को मामूली अंतर से पराजित किया। उपचुनाव में भाजपा के टिकीट पर कांग्रेस के राकेश पाटीदार को बड़े अंतर से हराया। इसके बाद एक बार फिर राकेश पाटीदार को 23 हजार 340 मतों से पटकनी दी। हरदीपसिंह डंग को 1 लाख 14 हजार 521 वोट मिले। जबकि, राकेश पाटीदार को 91 हजार 181 मतों से संतोष करना पड़ा। यहां खास बात यह रही कि शुरुआत से ही हरदीपसिंह बढ़त बनाए हुए थे। लगभग हर राउंड में... शेष पेज 4 पर

मंदसौर जिले की विधानसभाओं में किसे कितने मिले मत...

सुवासरा में 9 उम्मीदवार थे मैदान में

प्रत्याशी	पार्टी	वोट मिले
हरदीप सिंह डंग	भाजपा	114521
बलवंत सिंह गुर्जर	बसपा	1542
राकेश पाटीदार	कांग्रेस	91181
प्रिंस सूर्यवंशी	आजाद समाज पार्टी	2516
गोवर्धनलाल हाडा	निर्दलीय	244
नाहरू	निर्दलीय	183
फीरोजुद्दीन	निर्दलीय	223
राकेश	निर्दलीय	736
शहीद खान	निर्दलीय	431
नोटा		1695
कुल वोटर		213272

मल्हारगढ़ में 6 उम्मीदवार आमने-सामने थे

प्रत्याशी	पार्टी	वोट मिले
जगदीश देवड़ा	भाजपा	115498
नरेंद्र मालवीय	बसपा	1209
परशुराम सिसोदिया	कांग्रेस	36163
बसंतीलाल मालवीय	निर्दलीय	1201
श्यामलाल जोकचंद	निर्दलीय	56474
लालचंद मेघवाल	निर्दलीय	819
नोटा		1730
कुल वोट		213094

गरोठ में 7 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला

प्रत्याशी	पार्टी	वोट मिले
चन्दर सिंह सिसोदिया	भाजपा	108602
जगदीश रांगोठा	बीएसपी	1668
सुभाष कुमार सोजतिया	कांग्रेस	90495
प्रहलाद सिंह चौहान	निर्दलीय	1353
फूलचंद	निर्दलीय	446
सईद अहमद	निर्दलीय	606
सुरेश धाकड	निर्दलीय	539
नोटा		1949
कुल वोट		205658

मंदसौर में 9 प्रत्याशी मैदान में थे

प्रत्याशी	पार्टी	वोट मिले
यशपाल सिंह सिसोदिया	भाजपा	103267
विपिन जैन	कांग्रेस	105316
सुनीता कैलाश गर्ग	बसपा	1039
असलम खान	निर्दलीय	243
इस्माइल मेव	निर्दलीय	119
मुरलीधर	निर्दलीय	124
यशपाल	निर्दलीय	279
राकेश सूर्यवंशी	निर्दलीय	265
विपिन जैन	निर्दलीय	1530
कुल वोट		213046

मध्य प्रदेश में फिर खिला भाजपा का कमल...

जीत के नायक रहे 'मोदी-शिवराज'

भोपाल, 3 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश विधानसभा के चुनाव को भाजपा ने लोकसभा चुनाव के सेमीफाइनल की तर्ज पर लड़ा। यह चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर लड़ा गया तो मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने धुआंधार 165 सभाएं कर ऐतिहासिक विजय दिलाने का मार्ग प्रशस्त किया। मोदी और शिवराज दोनों ही भाजपा के नायक रहे। मोदी ने प्रदेश में 14 सभाएं और इंदौर में एक रोड-शो किया था।

मुद्दों की आजमाइश के बावजूद मध्य प्रदेश का विधानसभा चुनाव जब रंग नहीं पकड़ पा रहा था तो उसे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 सितंबर को जंबूरी मैदान में 'एमपी के मन में है मोदी' की सार्थकता के साथ गहरा कर दिया था। केंद्र की योजनाओं से मध्य प्रदेश के गरीब के घर में खुशहाली पहुंचाने का सीधा रास्ता दिखाते हुए मोदी ने मध्य प्रदेश की समृद्धि से भारत की वैश्विक पहचान के समीकरण को भी समझा दिया।

जैसा कि सियासी गलियारों में पिछले कई महीनों से महसूस किया जा रहा था कि भाजपा ने प्रादेशिक चेहरों के बजाय मोदी और भाजपा सरकारों के विकास पर चुनाव लड़ने का मन बना लिया है, तो इसकी झलक भरे मंच पर भी देखने को मिली थी। पिछली कई सभाओं की तरह मोदी ने भाजपा को विकास का पर्याय बताते हुए 'एमपी के मन में है मोदी और मोदी के मन में है एमपी' को ही स्थापित कर दिया था।

शिवराज ने प्रतिदिन औसतन 10 सभाएं कीं...

चुनाव की घोषणा के बाद मुख्यमंत्री शिवराज 230 में से 165 विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार के लिए पहुंचे। औसतन प्रतिदिन 10 सभाएं की। दीपावली के दिन भी उन्होंने जनसभाओं का संबोधित किया। इसके पहले हर जिले में उन्होंने महिला सम्मेलन किया। सभाओं में वह कई बार भावुक भी हुए। यहां तक कहा, 'मामा चला जाएगा तो बहुत याद आएगा' और 'मर भी गया तो राख के ढेर से उठकर जनता की सेवा करूंगा'।

मंदसौर में पार्टी नहीं बल्कि उम्मीदवार केंद्रित चुनाव था...

कांग्रेस नहीं विपिन की हुई जीत भाजपा नहीं यशपाल की हुई हार

दर्द-ए-दिल
कुमार दशपुरी

मंदसौर, 3 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा के चुनाव निपट गए और परिणाम भी आ गए। जिले में मंदसौर विधानसभा सीट को छोड़कर शेष तीनों विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी को फिर से विजय श्री हासिल हुई है।जबकि, मंदसौर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा को पराजय का सामना करना पड़ा है। यह बड़ा ही विचित्र संयोग रहा कि पिछले विधानसभा चुनाव जैसी ही तस्वीर मंदसौर विधानसभा क्षेत्र के संदर्भ में उभरी है। पिछला विधानसभा चुनाव में प्रदेश में सरकार कांग्रेस की बनी थी और मंदसौर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के प्रत्याशी यशपाल सिंह सिसोदिया चुनाव जीते थे। लेकिन इस बार उलट स्थिति सामने आई है, प्रदेश में भाजपा को भारी बहुमत मिला है। सरकार बन गई है किंतु मंदसौर से भाजपा प्रत्याशी सिसोदिया को पराजय का सामना करना पड़ा है। जिले ही नहीं बल्कि पूरे संसदीय क्षेत्र में एकमात्र मंदसौर विस क्षेत्र में भाजपा को पराजय देखना पड़ी है।

मंदसौर की भाजपा की यह हार कई पहलुओं से चर्चा का विषय बनी हुई है। राजनीतिक हलकों में यह कहा जा रहा है कि मंदसौर का चुनाव भाजपा वर्सेस कांग्रेस नहीं था, बल्कि भाजपा वर्सेस विपिन जैन था। यशपाल जी की पराजय भाजपा की अंदरूनी राजनीति के एंगल से भी देखी जा रही है। विश्लेषकों का तो यह भी कहना है कि इस बार भाजपा में ही सिसोदिया का आंतरिक विरोध तीव्र था। सिसोदिया की उम्मीदवारी को भी बदलने की खूब कवायदे हुई थी। उम्मीदवारी की दौड़ में तो यशपाल जी ने बाकी सबों को पछाड़ दिया। किंतु ऐसा कहा जा रहा है कि चुनावी जंग में अपने अनेकों परम'प्रेमियों' की वजह से उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा। प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत मिला है। पिछली सरकार में भी यशपाल जी के मंत्री बनने की कई बार संभावनाएं प्रबल हुई मंत्रिमंडल के गठन में उनका नाम उभरा। लेकिन, वह मंत्री नहीं बन सके। इस बार तो सभी को यकीन था कि यदि भाजपा की सरकार बनी और यशपाल जी चुनाव जीत गए तो वह निश्चित मंत्री बनेंगे। लेकिन, उनके चुनाव हारने से अब मंदसौर विधानसभा क्षेत्र को कोई मंत्री नहीं मिलेगा। क्योंकि विपिन जैन कांग्रेस के विजयी उम्मीदवार हैं और प्रदेश में सरकार भाजपा की बनी है।

यह भी कहा जा रहा है कि मंदसौर क्षेत्र से भाजपा नहीं बल्कि यशपाल सिंह सिसोदिया हारे हैं और कांग्रेस नहीं बल्कि विपिन जैन जीते हैं। मल्हारगढ से जगदीश देवड़ा की ऐतिहासिक जीत यह बयान करती है कि इस क्षेत्र का त्रिकोणीय मुकाबला और श्री देवड़ा का जनाधार उन्हें इस प्रचंड जीत तक ले गया। सुवासरा क्षेत्र से हरदीप सिंह डंग की जीत पहले से ही महसूस की जा रही थी। राकेश पाटीदार चुनावी अभियान में उनसे हमेशा उन्नीस ही दिखाई दिए। यानी हरदीप की जीत लगभग तय ही मानी जा रही थी। गरोठ क्षेत्र से चंदर सिंह सिसोदिया का चुनाव जीतना सुभाष सोजतिया के लगातार कमजोर होते जनाधार को प्रदर्शित कर गया। मंदसौर क्षेत्र की जनता की निगाहें नीमच जिले के मनासा विधानसभा क्षेत्र के चुनाव पर भी थी, वहां से पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा कांग्रेस के टिकट से चुनाव लडे थे। लेकिन उन्हें भाजपा के माधव मारू से पराजय का सामना करना पड़ा है।

रतलाम जिले में बजा भाजपा का डंका

पांच में से चार पर भाजपा जीती, आलोट में 68 हजार और रतलाम में 60 हजार से अधिक मतों की बम्पर जीत

रतलाम, 3 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले की पांचों विधानसभा सीटों के नतीजें सामने आ चुके है। जिले की पांच में से चार सीटों पर भाजपा ने बम्पर जीत दर्ज की है। आलोट में 68 हजार से और रतलाम सिटी में 60 हजार से अधिक मतों से जीत हुई है। जिले की एकमात्र सीट सैलाना में भाजपा को न सिर्फ पराजय का सामना करना पड़ा है। बल्कि, भाजपा तीसरे नम्बर पर चली गई है। कांग्रेस भी इस सीट पर हार गई है और यह जयस के खाते में गई है।

रतलाम ग्रामीण से भाजपा के मथुरालाल डामर 34 हजार 324 से जीते, उन्हें 1 लाख 2 हजार 968 मत मिले। जबकि, कांग्रेस को 68 हजार 644 मत मिले। सैलाना में निर्दलीय कमलेश्वर डोडियार 4 हजार 618 से जीतें। उन्हें 71 हजार 219, कांग्रेस को 66 हजार 601 व भाजपा को 41 हजार 584 मत मिले। जावरासे भाजपा के डॉ पांडे 26021 मतो से जीते, उन्हें 92 हजार19 मत, कांग्रेस को 65 हजार 998 और निर्दलीय जीवनसिह को 40 हजार 766 मत मिले। आलोट में भाजपा के डॉ चिंतामणि मालवीय 68 हजार 884 मतों से जीते। उन्हें 1 लाख 6 हजार 762, प्रेमचंद गुड्डू को 37 हजार 878 और कांग्रेस को 33 हजार 565 मत मिले।

बंध्याकरण, बंधुआ मजदूर और कांग्रेस का मजबूर नेतृत्व

भोपाल, 3 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। यह बात तो खैर अपने स्तर पर वैचारिक स्तर-हीनता को प्रश्रय देने जैसी होगी कि कांग्रेस इस सबसे कोई सबक लेगी। फिर भी सच यह कि इस दल के लिए एक बार फिर दिल से सोचने का समय आ गया है कि वह किस दिशा में जा रहा है। शायद विचार के केंद्र में यह सवाल प्रमुख रहेगा कि उसे किस तरफ ले जाया जा रहा है। वह भी हांकने के अंदाज में।

छत्तीसगढ़ और राजस्थान से इतर यदि केवल मध्यप्रदेश की बात करें तो ही स्थिति को साफ समझा जा सकता है। कांग्रेस के हिस्से में एक बार फिर आई बड़ी हार कई दिशा में ध्यान खींचती है। चुनाव के पहले से ही यह साफ था कि कमलनाथ ने पूरे अभियान की कमान अपने हाथ में ले ली है। वह हाथ भी ऐसा कि उसमें पंजे की संभावनाओं का जैसे कोई स्थान ही नहीं बचा था। निश्चित ही नाथ ने एक जगह जोरदार विजय हासिल की। वह पार्टी के आलाकमान को अपने आगे नतमस्तक करने में सफल रहे।

सोनिया गांधी से लेकर राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा जैसे कांग्रेस के कथित दमदार चेहरों की इस चुनाव में नाथ के आगे कोई बिसात ही नहीं दिखी। बस सियासी बिसात पर नाथ अपने हिसाब से मोहरे बिछाते चले गए। नेतृत्व मजबूर है। उसकी अपनी सीमा रेखा है। उसे आज पार्टी के प्रति नहीं, बल्कि परिवार के प्रति निष्ठा वाले लोगों की बड़ी आवश्यकता है। यह उसके लिए अनिवार्यता बन गया है। इसीलिए तो यह हुआ कि पार्टी के हित को हिट करते हुए अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलट और भूपेश बघेल बनाम एमएस सिंहदेव के प्रकरण में नेतृत्व ने घुटने टेकने में कोई संकोच नहीं किया।

शीर्ष की इस कमजोरी और परिवार से नजदीकी का नाथ ने भी फायदा उठाने में कोई चूक नहीं की। शायद घर के अंदर की इस जीत ने ही नाथ के भीतर वह आत्मविश्वास पनपा दिया कि चुनाव को लेकर वह कहीं 'वन मैन आर्मी' तो कभी-कभी 'लोन वूल्फ' वाली शैली में भी आगे बढ़ने से पीछे नहीं रहे। तीन राज्यों के इस राजहठ को अपने हित और हक में प्रश्रय देने की कांग्रेस की नीति का यह नतीजा हुआ कि आज वह हिंदी-भाषी राज्यों में केवल हिमाचल प्रदेश तक सिमट कर रह गयी है।

वो तो गनीमत है कि तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति की पिता-पुत्री वाली युति के परिवारवाद ने इस राज्य में कांग्रेस को जीत का अवसर दे दिया, वरना तो आज पंजे की लकीरों से एक और राज्य के लिए राजयोग का चिन्ह भी मिट गया होता। यह सवाल उठाने का भी कोई अर्थ नहीं है कि अंतत: कौन, किस तरीके से पनौती साबित हुआ है। क्योंकि इस सवाल का जो खुलकर उत्तर दे सके, कांग्रेस में ऐसे सच्चे पार्टीजनों की नस्ल अब न जाने कब से बंध्याकरण की शिकार है। वैसे बंध्याकरण और बंधुआ मजदूर शब्द आपस में मिलते-जुलते हैं ना? आपका क्या विचार है?

विचार-मंथन

नफरती बयानों के खिलाफ सुको सख्त

नफरती बयानों के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर सख्ती दिखाई है। चार राज्यों को नोटिस जारी कर पूछा है कि उन्होंने अपने यहां इस संबंध में नोडल अधिकारी की नियुक्ति की है या नहीं। दरअसल, इस साल अगस्त में नफरती बयानों पर रोक लगाने संबंधी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए अदालत ने सख्त टिप्पणी की थी कि इस तरह के बयान देने वाले चाहे जो हों, उन्हें बख्शा नहीं जाना चाहिए। इसके लिए अदालत ने राज्य सरकारों को अपने यहां नोडल अधिकारी नियुक्त करने का आदेश दिया था, जो नफरती भाषणों का संज्ञान लेकर मामले दर्ज और उन पर कार्रवाई करेंगे। उसी संबंध में केंद्र सरकार की तरफ से बताया गया कि अट्ठाईस राज्यों ने नोडल अधिकारी की नियुक्ति कर दी है, मगर पांच राज्यों- गुजरात, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल और नगालैंड ने इस संबंध में कोई जानकारी नहीं उपलब्ध कराई है। हालांकि बाद में पश्चिम बंगाल ने कहा कि उसने भी नोडल अधिकारी की नियुक्ति कर दी है। विचित्र है कि सर्वोच्च न्यायालय की सख्ती और चार महीने बीत जाने के बाद भी चार राज्यों ने इस मामले पर गंभीरता नहीं दिखाई है। सर्वोच्च न्यायालय कई बार केंद्र और राज्य सरकारों को नफरती भाषणों पर रोक लगाने के लिए कठोर कदम उठाने का निर्देश दे चुका था, मगर जब उसके सकारात्मक नतीजे नहीं आए तब उसने खुद एक दिशा-निर्देश जारी कर राज्य सरकारों की जवाबदेही तय की थी। उसी के तहत नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जानी थी। छिपी बात नहीं है कि नफरती बयानों के चलते पिछले कुछ सालों में किस तरह सामाजिक ताना-बाना कमजोर हुआ है। समाज में सांप्रदायिक तनाव का वातावरण बना है और कई जगहों पर इसके गंभीर नतीजे भी सामने आए हैं। सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर समुदायों के बीच वैमनस्य पैदा करने की कोशिशें की जाती हैं। इसमें अक्सर राज्य प्रशासन की लापरवाही और पक्षपातपूर्ण रवैया उपद्रवियों तथा समाज में तनाव पैदा करने की कोशिश करने वालों का मनोबल बढ़ाता रहा है। जबकि वैमनस्यता फैलाने के खिलाफ कड़े कानून हैं, मगर कई मौकों पर राज्य प्रशासन आंखें मूंदे नजर आया है। कुछ राज्यों में धर्म संसद का आयोजन कर समुदाय विशेष के प्रति नफरत बोने की कोशश की गई, तो कुछ राज्यों में इसकी प्रतिक्रिया में वैसे ही नफरती बोल बोले गए। दोनों ही समुदायों को राजनीतिक समर्थन मिलता देखा गया। ऐसी कोशिशों को रोकना राज्य सरकारों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मगर जिस तरह समुदायों में नफरत पैदा कर राजनीतिक लाभ उठाने की प्रवृत्ति बढ़ी है, उसमें सरकारें अपने कर्तव्य से विमुख नजर आई, तो हैरानी की बात नहीं। सर्वोच्च न्यायालय के कड़े आदेश के बाद भी हरियाणा के नूंह में नफरती हरकतें खुल कर सामने आई और प्रशासन लंबे समय तक निष्क्रिय नजर आया। इससे यही पता चलता है कि राज्य सरकारें खुद इस मामले में गंभीर नहीं हैं। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय उनके कर्तव्यों की याद दिलाता रहता है, मगर शायद उन्हें अपने सियासी नफे-नुकसान से ऊपर उठ कर सामाजिक ताने-बाने की सुरक्षा के संवैधानिक दायित्व की चिंता नहीं है। यह भी अकारण नहीं माना जा सकता कि कुछ राजनीतिक दलों के जिम्मेदार माने जाने वाले नेता भी सार्वजनिक मंचों से ऐसे भड़काऊ और समाज में नफरत पैदा करने वाले बयान देते देखे गए हैं। राज्य सरकारों के साथ-साथ इस मामले में राजनीतिक दलों से भी मर्यादा, संयम, अनुशासन और संवैधानिक मूल्यों के प्रति गंभीरता की अपेक्षा की जाती है।

राज्यपालों की भूमिका पर विचार जरूरी...

अजीत द्विवेदी

इन दिनों राजनीति में इस्तेमाल किए जा रहे मुहावरे के हिसाब से कहें तो आजादी के 75 साल में ऐसा कभी नहीं हुआ कि राज्यपालों के ऊपर सर्वोच्च अदालत को इतनी सख्त टिप्पणियां करनी पड़े, जितनी अभी करनी पड़ रही है। आजादी के बाद कई बार राज्यपालों की भूमिका पर सवाल उठे हैं लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि सांस्थायिक रूप से राज्यपाल राज्य सरकारों के कामकाज में दखल दें, विधेयक रोकें, सरकारों पर गैर जिम्मेदाराना टिप्पणी करें और समानांतर सरकार चलाने की कोशिश करें। राज्यपालों के ऐसे आचरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कई बार बेहद तीखी टिप्पणियां की हैं। लेकिन ऐसा लग रहा है कि न राज्यपालों पर इसका असर पड़ र है और न केंद्र सरकार इस पर ध्यान दे रही है। उलटे ऐसा लग रहा है कि सरकार भी चाहती है कि वे ऐसा ही आचरण करें। यह दुर्भाग्य है कि राज्यपालों ने राजभवनों को समानांतर सरकार चलाने का केंद्र बना दिया है। ऐसा सिर्फ उन्हीं राज्यों में हो रहा है, जहां विपक्षी पार्टियों की सरकारें हैं। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता है कि राज्यपालों को अचानक संविधान से मिले अपने अधिकारों की याद आ गई है और वे अपने को वास्तविक शासन प्रमुख समझने लगे हैं। जहां भाजपा की सरकार है वहां ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। इसका यह मतलब नहीं है कि भाजपा की सारी सरकारें बहुत बढ़िया और संविधान सम्मत तरीके से काम कर रही हैं, जबकि विपक्षी पार्टियों की सरकारें संविधान के प्रति सम्मान नहीं दिखा रही हैं। ऐसा लग रहा है कि पानी सर के ऊपर से निकलने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले के स्थायी समाधान का फैसला सुनाया है। सर्वोच्च अदालत ने दो टूक अंदाज में कहा है कि राज्यपाल कानून बनाने की सामान्य प्रक्रिया को बदलने का प्रयास नहीं कर सकते हैं। यह बहुत बड़ा फैसला है। इससे पहले सर्वोच्च अदालत ने इस मामले को इतनी गंभीरता से नहीं लिया था। लेकिन एक के बाद एक तीन राज्यों- केरल, तमिलनाडु और पंजाब के एक जैसे मामले कोर्ट में आने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने विस्तार से सुनवाई की और फैसला सुनाया। सर्वोच्च अदालत ने सिर्फ यह आदेश नहीं दिया कि राज्यपाल लंबित विधेयकों को जल्दी से जल्दी क्लीयर करें, बल्कि यह कहा है कि विधानसभा से पास विधेयकों को रोकने से कानून बनाने की सामान्य प्रक्रिया प्रभावित होती है। ध्यान रहे कानून बनाने का अधिकार संसद और राज्यों की विधानसभाओं को है। अगर किसी राज्य की विधानसभा ने कोई विधेयक पास किया है तो राज्यपाल उसे रोक कर कानून निर्माण की प्रक्रिया को बाधित करते हैं। इसका सबसे बड़ा खतरा यह है कि इससे संघवाद का सिद्धांत प्रभावित होगा। केंद्र में जिसकी सरकार होगी वह राज्यपाल के जरिए राज्य सरकारों के बनाए कानून को रोकता रहेगा। तभी अदालत ने संविधान के अनुच्छेद दो सौ का हवाला देते हुए कहा कि उसमें निश्चित रूप से यह नहीं लिखा गया है कि राज्यपाल कितने समय में किसी विधेयक को मंजूरी दें लेकिन यह जरूर लिखा है कि 'जल्दी से जल्दी मंजूरी दें'। इसका मतलब है कि संविधान बनाने वालों की भावना यह रही है कि विधानसभा से पास होने के बाद जब विधेयक राज्यपाल के पास जाए तो वे उसे तुरंत मंजूरी दें। अगर उनको लगता है कि विधेयक में कुछ सुधार किया जाना चाहिए तो उसे वे तुरंत विधानसभा को लौटा दें। दूसरी बार विधेयक भेजे जाने के बाद राज्यपाल के लिए उसे मंजूरी देना अनिवार्य होता है। लेकिन वह मंजूरी भी जल्दी से जल्दी हो जानी चाहिए। अदालत ने साफ किया है कि राज्यपाल किसी विधेयक को अनंतकाल तक नहीं लटका सकते हैं। उन्हें विधानसभाओं के बनाए कानून को वीटो करने का अधिकार नहीं है। सवाल है कि क्या राज्यपालों को इस टिप्पणी के बाद कुछ शरम आएगी और क्या वे उसी अंदाज में काम करेंगे, जैसे भाजपा के शासन वाले राज्यों में राज्यपाल कर रहे हैं? इसकी उम्मीद कम है और इसके कई कारण हैं। पहला कारण तो यह है कि भाजपा और उसकी विरोधी पार्टियों के बीच विभाजन इतना ज्यादा हो गया है कि भाजपा जहां भी विपक्ष में है वहां उसे सरकार के हर काम का विरोध करना है। और चूंकि संगठन के तौर पर भाजपा भले दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है लेकिन हकीकत यह है कि जहां भी वह विपक्ष में है वहां वह सत्तारूढ़ दल के खिलाफ नहीं लड़ पा रही है। बतौर विपक्ष भाजपा कोई भी आंदोलन खड़ा नहीं कर पा रही है और न राजनीतिक लड़ाई लड़ पा रही है। तभी राजभवनों को लड़ाई का हथियार बनाया गया है। ऐसा लगता है कि जहां भी भाजपा विपक्ष में है वहां विपक्ष की लड़ाई राजभवन लड़ रहे हैं। पश्चिम बंगाल से लेकर केरल और तमिलनाडु से लेकर पंजाब और दिल्ली तक हर जगह राज्यपाल ही मुख्य विपक्ष दल के तौर पर लड़ते दिखते हैं। हर बात के लिए वे सरकार को कठघरे में खड़ा करते हैं। उनकी लड़ाई अब सिर्फ विधेयक रोकने या विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति रोकने तक सीमित नहीं है, बल्कि कानून व्यवस्था से लेकर करप्शन तक के मसले पर राज्यपाल बयानबाजी करते हैं। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी के बाद पंजाब के राज्यपाल ने दो विधेयकों को मंजूरी दी तो तमिलनाडु में राज्यपाल ने रोक कर रखे गए 10 विधेयक वापस लौटा दिए। हालांकि उसके तुरंत बाद सरकार ने विधानसभा का विशेष सत्र बुला कर उन विधेयकों को फिर से पास किया और राज्यपाल के पास भेज दिया। इसी तरह केरल में राज्यपाल ने एक विधेयक को मंजूरी दी और सात विधेयक राष्ट्रपति के पास भेजने के लिए रोक लिया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने केरल के राज्यपाल को लेकर तीखी टिप्पणी की और पूछा कि वे दो साल तक विधेयक रोक कर क्या करते रहे? सर्वोच्च अदालत ने यहां तक कहा कि वह केरल सरकार के इस अनुरोध पर विचार कर रही है कि राज्यपालों के लिए एक दिशा-निर्देश तैयार किया जाए कि वे किन स्थितियों में किसी विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए रोक सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी निश्चित रूप से सरकार को अच्छी नहीं लगी होगी। इससे टकराव बढ़ सकता है। अदालत ने हर बार कहा कि संविधान में बहुत साफ साफ शब्दों में लिखा हुआ है कि राज्यपाल मंत्रिमंडल की सलाह से काम करेंगे। पिछले कुछ समय से यह देखने को मिल रहा है।

हालात से ज्यादा इंसानी सोच से उत्पन्न होती हैं परेशानियां!

अमिताभ स.

कई लोग अपनी नौकरी, गाड़ी, घर, दोस्त आदि सब कुछ बदलने में लगे रहते हैं। जबकि खुद को बदलना सबसे जरूरी है। मगर खुद को न बदलते हैं, न बदलने की कोशिश करते हैं। नतीजतन, सुकून उड़ जाता है। बेमतलब की चिंताओं में डूबते जाते हैं और हर पहलू के प्रति नाकारात्मक रवैया अपनाने लगते हैं। कबीर के दोहे का यही सार है- 'चाह मिटी, चिंता गई मनवा बेपरवाह/ जिसको कुछ नहीं चाहिए वही शहंशाह।' दरअसल, बाहरी नहीं, बल्कि अंदरूनी बदलावों की जरूरत होती है। तथ्य भी है कि लोहे को कोई नष्ट नहीं कर सकता, सिवाय उसके अपने जंग के। इंसान को भी केवल उसकी मानसिकता तबाह करती है। सारी परेशानियां हालात से ज्यादा इंसानी सोच से उत्पन्न होती हैं। इसीलिए खुद को और अपने खयालात को बदलते ही हालात बदलने लगते हैं। महात्मा बुद्ध कहते हैं, 'हर इंसान अपनी आरोग्यता या रोग का स्वयं रचयिता होता है।' इसलिए हालात जैसे हैं, चिंताएं पाले बिना प्रसन्नचित रहना चाहिए। धन-दौलत या मौज-मस्ती के शाहखर्च तामझाम से नहीं, बल्कि हम जो भी करते हैं, उसी से खुशी का अनुभव हो सकता है। अगर सुबह की मामूली चाय की प्याली से खुशी मिलती है, तो इसे पूरे शौक और शानदार ढंग से बनाएं। कप खरीदें, किस्म-किस्म की चाय पत्तियों से चाय बना कर पिएं। ऐसी छोटी-छोटी खुशियों को अपना जुनून बना लें। यही हमारे भीतर से अनचाहे खयालात का सफाया करेंगी। फिर आसपास की हर चीज खुशनुमा लगने लगेगी और खुद को बदलने की जिज्ञासा बढ़ेगी। मछलियां समुद्र से बाहर झांक-झांक कर कूदती-फांदती क्यों हैं? उन्हें पानी से बाहर की दुनिया को जानने की जिज्ञासा होती है। हर पल और जानने की ऐसी ही प्रबल इच्छा इंसान के विकास और तरक्की का बड़ा जरिया बनती है। इसलिए खुद को सीमित दायरे से बाहर निकालना जरूरी है। रुकावटों में भी दिमाग उड़ान भरते रहना चाहिए। हर हाल में खुद को ज्ञान और हुनर से लैस करते रहना चाहिए। कमजोर जिज्ञासा असफलता का बड़ा कारक बनता है। सफल होना है, तो अपनी आंख-कान खुले रखना चाहिए, एक ही जगह नहीं ठहर जाना चाहिए। कामयाबी के रास्ते में खासा मायने रखता है कि हम कितने ज्ञानवान और हुनरमंद हैं। ऐसे लोगों या किताबों के साथ रहा जाए, जिनसे कुछ सीखा जा सके, खुद को बदला जा सके। इस संबंध में डा. एपीजे अब्दुल कलाम एक मिसाल देते हैं। अगर बंदर के सामने केले और पैसे रख दें, तो वह केले लेने के लिए लपकेगा, क्योंकि वह नहीं जानता कि पैसे से केले खरीदे जा सकते हैं। इसी प्रकार, अगर इंसान के सामने पैसा और ज्ञान दोनों साथ रख दिए जाएं, तो वही पैसा उठा लेगा, जो बेखबर है कि शिक्षित और ज्ञानी होकर निस्संदेह ज्यादा पैसा और खुशहाली कमा सकते हैं। इटली के महान चित्रकार लिओनार्दो दा विंची के साथ-साथ हर शिक्षित की राय है कि समझदार इंसान सिर्फ और सिर्फ ज्ञान की ख्वाहिश रखता है। इसलिए दुख के दिनों को भूलते जाने में ही समझदारी है। पतझड़ की कहानियां सुन-सुन कर उदास होने से कुछ नहीं बदलेगा। नए मौसम का पता ढूंढना चाहिए। जो बीत गई, सो बात गई। तय है कि ग्रीष्म ऋतु जितना सताएगी, वर्षा ऋतु उतना ही आनंद देगी। पतझड़ के बाद वसंत भी सुहावना मौसम बन कर आता है। लेकिन कष्टदायक और खुशनुमा दिन अपने-अपने समय पर ही आते-जाते हैं। सच है कि दुख है, तभी सुख है। सुख के दिन बेशक फुर्र से उड़ते हैं, जबकि दुख घिसटते-घिसटते ही जाता है। जब-जब चुनौतीपूर्ण हालात पैदा होते हैं, तब-तब इंसान अपनी सामान्य अवस्था से ऊपर उठ कर, बहुत अधिक बेहतर बन सकता है। कह सकते हैं कि जितना बड़ा दुख, उतना ही क्षमतावान इंसान। इसी आशा का भाव मन में सदा संजोए रखना सुकून देता है कि जीवन के सबसे सुखद दिन अभी आने बाकी हैं। इसी आशा के साथ चल कर तरक्की मुमकिन है। दृढ़ विश्वास बांधे रखना चाहिए कि हर दौर और हालात में इंसान अपना विधाता खुद बनता है। अगर खुद पर भरोसा और नित्य सीखने की ललक नहीं है, तो कोई किसी को सफल नहीं कर सकता। खुद पर अटूट विश्वास से ही राहें निकलती हैं। इंसान को कतई हार नहीं माननी चाहिए और समस्याओं से खुद को हराने नहीं देना चाहिए। ओशो इसकी यों व्याख्या करते हैं- 'हम जिसके लिए लड़ते हैं, आखिर वही हम हो जाते हैं।

गोलमाल है भई सब गोलमाल है...डीपफेक पर क्या सरकार लगा सकती है लगाम

सरकार अपने स्तर पर सक्रियता दिखा रही है, लेकिन डीपफेक की बीमारी बहुत बड़ी है। लगता नहीं कि शिकायतें सुनने के लिए केंद्रीय स्तर पर रूल-7 ऑफिसर की मौजूदगी इस पर कोई निर्णायक प्रभाव डाल पाएगी। महीने भर के अंदर न सिर्फ तीन चर्चित फिल्म अभिनेत्रियों रश्मिका मंदाना, काजोल और आलिया भट्ट के भद्दे डीपफेक वीडियो वायरल हुए हैं, बल्कि वरिष्ठ उद्योगपति रतन टाटा को भी इसका निशाना बनाया गया है। फर्जी विडियो बनाने और तस्वीरों से छेड़छाड़ के मामले पहले भी आते रहे हैं, लेकिन डीपफेक इसका चरम है। इससे मचे बवाल का संज्ञान लेते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलजी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने बीते 24 नवंबर को कहा कि आईटी एक्ट (2011) के रूल-7 के सख्त अनुपालन के लिए एक अधिकारी की नियुक्ति हाथ के हाथ की जा रही है। डीपफेक और इंटरनेट पर निजता के उल्लंघन से जुड़े बाकी मामलों पर नागरिकों की शिकायत लेने और निदान की व्यवस्था बनाने, इसे अंजाम तक पहुंचाने का काम रूल-7 ऑफिसर को ही करना है। भारत के विज्ञापन उद्योग में अभी आर्टिफिशल इंटेलिजेंस से तैयार किए गए डीपफेक विज्ञापनों का जमकर इस्तेमाल हो रहा है। तय करना मुश्किल है कि कौन सा विज्ञापन सीधे किसी अभिनेता या अभिनेत्री पर शूट किया गया है और किसमें ,हू के जरिये उसकी तस्वीरों और पुराने विडियोज की काट-छांट, तोड़-मरोड़ से कोई नई कहानी गढ़ दी गई है। वरिष्ठ अभिनेता अनिल कपूर ने बिना इजाजत लिए विज्ञापनों में अपने पुराने विडियोज के एआई रूपांतरण के खिलाफ मुकदमा दायर किया तो अदालत से उन्हें राहत मिली। जिन फिल्मी सितारों की ओर से ऐसी कोई शिकायत नहीं आई है, उन्होंने इसकी फीस ली होगी और शायद उस पर टैक्स भी अदा किया हो। यानी डीपफेक से जुड़ी किसी भी कानूनी व्यवस्था का संरक्षण पाने के लिए बुनियादी बात यह होनी चाहिए कि संबंधित व्यक्ति की इजाजत लिए बिना ही उसका विडियो बना दिया गया हो। यहां हम ग्रे एरिया में प्रवेश कर रहे हैं। इजाजत का मतलब यह कि स्टैंप पेपर पर या किसी और मान्य कानूनी उपाय से छवियों के उपयोग की अनुमति दी गई हो। ग्लैमर इंडस्ट्री में इसके कितने ही अपवाद मौजूद हैं। चर्चा में आने के लिए अपने ही खिलाफ जाने वाली खबरें प्लांट कराई जाती हैं। ऐसी तस्वीरें लगवाई जाती हैं, जिनका मकसद सिर्फ लोगों का ध्यान खींचना हुआ करता है। भले ही उनसे शालीनता के सभी मानकों की धज्जियां उड़ जाती हों। ऐसे में देखने वाले कैसे तय कर पाएंगे कि यह डीपफेक की बदमाशी है, या किसी नए प्रॉजेक्ट के लिए विडियो प्लांट कराया गया है? 'नो मीन्स नो' एक सिनेमा के डायलॉग के रूप में बहुत अच्छा है, लेकिन व्यवहार में सहमति का मामला कभी बहुत आसान नहीं होता। इसमें अक्सर हमारा सामना एक महीन धुंध से होता है, जिसका अर्थ सहमति या असहमति कुछ भी लिया जा सकता है। आगे चलकर डीपफेक से जुड़ी मुकदमेबाजी के क्रम में भी ऐसी स्थितियां सामने आएंगी। लेकिन किसी की जानकारी के बिना उसकी तस्वीरों का दुरुपयोग इससे ऊपर की चीज है और इसकी बाढ़ रोकने के लिए कानून को कई स्तरों पर सक्रियता दिखानी होगी। सबसे पहले इसे बनाने वाले पर, जो भाड़े पर काम करने वाला व्यक्ति भी हो सकता है। उतनी ही या उससे ज्यादा कड़ी सजा डीपफेक बनवाने वाले को मिलनी चाहिए। असल मामला डीपफेक बनाने-बनवाने से ज्यादा उसके प्रसारण का है।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5074

	4					5	6	
	3	9			8		7	
7			2	5				
3	1				6	7		
		5		7		1		
		6	4				8	9
				9	7			2
	2		8			6	5	
	8	1					9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5073

3	9	2	8	5	1	6	7	4
6	8	7	4	2	3	1	9	5
4	5	1	9	7	6	2	8	3
5	6	9	2	3	4	8	1	7
2	3	8	7	1	5	4	6	9
1	7	4	6	9	8	5	3	2
9	1	6	3	4	2	7	5	8
8	2	3	5	6	7	9	4	1
7	4	5	1	8	9	3	2	6

वर्ग पहेली 5074

संकेत: बाएं से दाएं

1. 28 मई 2008 को भारत के इस पड़ोसी देश ने 240 साल पुरानी राजशाही का अवसान हुआ (3)
4. विश्व में गेंहू की मंडी के नाम से विख्यात विनिपेग नगर इस देश में स्थित है (3)
7. मूल्य, दाम, मोल (3)
8. नापने का मापदंड, माप (3)
9. आवरण या अवरोध हटाना, बंधन रहित करना (3)
10. जिसके अवयव पास-पास सटे हो, सघन (2)
12. गति, चाल (3)
13. उत्कृष्ट, नितांत, पराकाष्ठात्मक (3)
14. भिन्न अर्थ वाला, अर्थहीन (3)
16. मुगल लोगों का दरबार (5)
18. आर्द्रता युक्त, अधिक गीला (2)
19. दार्शनिक प्रणाली, मत, वोट (2)
20. गुजरात का एक प्रसिद्ध व्यंजन (3)
21. यह लेबनान की राजधानी है (3)
22. यह महर्षि पराशुराम का शस्त्र है (3)

ऊपर से नीचे

1. निर्देशक केदार शर्मा ने राकेश रोशन के पिता संगीतकार रोशन को इस फिल्म (1949) में मौका दिया था (6)
2. हथेली को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
3. हमेशा लाते खाने वाला (4)
4. अमादि करके धन उपार्जित करना (3)
5. तंदूर में पकाई जाने वाली मोटी खमीरी रोटी (2)
6. पोस्टऑफिस, डाकखाना (4)
11. हिंदुओं के सोलह संस्कारों में से एक जिसमें बालक का नाम रखा या स्थिर किया जाता है (5)
13. पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला शहर (2)
14. प्राकृतिक झील, खाड़ी (3)
15. एक बहिनी नली, रग (2)
17. ईश्वर का दिया हुआ धन आदि (3)
18. टीस नामक नदी (3)
20. कड़ा, तीक्ष्ण, चमा (2)

वर्ग पहेली 5073 का हल

ज	वा	ह	र	ला	ल		स्व
न	ह	र		ल	ब	रे	ज
क		जा	पा	न		व	न
सु	ना	ना		पा	व	ती	
ला	न		कि	ल	ग		बे
	का	बा		न		गु	रू
अ	र	ब			ज	मा	त
ग		र	घु	न	द	न	

निगम आयुक्त ने एडीएम हरेन्द्र नारायण के साथ किया इज्तिमा स्थल का निरीक्षण

▪ इज्तिमा प्रबंधन समिति के सदस्यों से भी की चर्चा ▪ निगम द्वारा की जाने वाली सभी व्यवस्थाओं को ▪ बेहतर ढंग से समय से पूर्व सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

भोपाल(निप्र)।

निगम आयुक्त फ्रैंक नोबल ए ने एडीएम हरेन्द्र नारायण व निगम अधिकारियों के साथ ईटखेड़ी धासीपुरा में आयोजित होने वाले आलमी तब्लीगी इज्तिमा स्थल का निरीक्षण किया और इज्तिमा प्रबंधन समिति के सदस्यों से इज्तिमा आयोजन एवं व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त नोबल ने इज्तिमा स्थल पर की जाने वाली सभी व्यवस्थाओं को समय से पूर्व बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने और आयोजन समाप्ति तक इन्हें निरंतर बनाये रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्तद्वय विनीत तिवारी एवं पवन सिंह, उपायुक्त योगेन्द्र सिंह पटेल, अधीक्षण यंत्रीद्वय उदित गर्ग व संतोष गुप्ता सहित निगम के अन्य अधिकारी व इज्तिमा प्रबंधन समिति के इकबाल हफीज सहित अन्य सदस्य आदि भी मौजूद थे।

निगम आयुक्त फ्रैंक नोबल ए ने एडीएम हरेन्द्र नारायण व निगम अधिकारियों के साथ शनिवार को ईटखेड़ी धासीपुरा में आगामी 08 दिसम्बर से 11 दिसम्बर 2023 तक आयोजित होने वाले आलमी तब्लीगी इज्तिमा स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान नोबल ने इज्तिमा आयोजन समिति के इकबाल हफीज खां सहित सदस्यों से तब्लीगी इज्तिमा व उसकी व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। चर्चा के दौरान हफीज ने इज्तिमा के आयोजन में जिला प्रशासन एवं नगर निगम भोपाल द्वारा की जाने वाली व्यवस्थाओं की सराहना की और निगम कर्मियों द्वारा सदैव मुस्तैदी के साथ किये जाने वाले कार्यों की भी मुक्त कंठ से प्रशंसा की। निगम आयुक्त नोबल ने कहा कि निगम का हमेशा प्रयास रहता है कि शहर में जो भी आयोजन हों उनमें निगम अपने कार्यों को बेहतर से बेहतर ढंग से सुनिश्चित करे ताकि आयोजन में सम्मिलित होने वालों को किसी प्रकार की कोई कठिनाई न हो। निगम आयुक्त ने इस दौरान संबंधित अधिकारियों से निगम द्वारा इज्तिमा आयोजन स्थल एवं पार्किंग स्थलों सहित आवागमन के मार्गों की व्यवस्थाओं एवं पूर्व में निर्देशित कार्यों की अद्यतन जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि निगम द्वारा इज्तिमा स्थल व अन्य स्थानों पर की जाने वाली व्यवस्थाओं/कार्यों को बेहतर से बेहतर ढंग से सुनिश्चित करें और इज्तिमा समाप्ति तक इन्हें निरंतर बनाये रखना भी सुनिश्चित करें। निगम द्वारा साफ सफाई, पेयजल व अन्य उपयोग हेतु पानी की व्यवस्था के साथ ही साफ सफाई, सीवेज क्लीनिंग, अस्थायी शौचालय, प्रकाश, फायर बिग्रेड आदि की व्यवस्था पूर्वानुसार की जा रही है। निगम आयुक्त ने उक्त सभी कार्य/व्यवस्थाएं निगम व अन्य विभागों तथा इज्तिमा प्रबंधन समिति के साथ बेहतर समन्वय के साथ सुनिश्चित की जाएं।

प्रदेश में पल-पल बदल रहा मौसम का मिजाज, बारिश-कोहरा-छाये रहेंगे बादल

भोपाल-इंदौर समेत 37 जिलों में आज भी बदला रहेगा मौसम, टेम्प्रेचर गिरेगा

भोपाल निप्र। मध्यप्रदेश में पिछले सात दिन से बारिश हो रही है। यह दौर आठवें दिन रविवार को भी जारी रहेगा। भोपाल, इंदौर समेत 37 जिलों में मौसम बदला रहेगा। इस दौरान कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हो सकती है। वहीं, कोहरा और बादल रहेंगे। इससे दिन के टेम्प्रेचर में गिरावट रहेगी। शनिवार को भोपाल, धार, इंदौर, उज्जैन और बड़वानी में हल्की बारिश हुई। खजुराहो समेत कई शहरों में कोहरा भी रहा। भोपाल में रविवार की सुबह कोहरे में लिपटी आई। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात 2 बजे के बाद बारिश हुई। राजधानी में उत्तरी हवाएं चलने से 10 दिसंबर के बाद ठंड बढ़ेगी। आज विधानसभा चुनाव में डाले गए वोटों की गिनती है और बारिश के भी आसार हैं। इन दिनों मध्य प्रदेश में लगातार मौसम में उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। प्रदेश में बादलों ने डेरा डाले हुए है। जबलपुर, भोपाल, शहडोल, सागर, ग्वालियर, इंदौर संभाग के जिलों में कहीं कहीं मध्यम से तेज बारिश का दौर भी जारी है। सुबह कोहरे के साथ दिन और रात के तापमान में भी उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। एमपी मौसम विभाग के मुताबिक 7-8 दिसंबर तक मौसम के यूहीं बने रहने के आसार है। हालांकि पश्चिमी विक्षोभ के जाते 15 दिसंबर से प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ना शुरू होगी। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते प्रदेश में फिलहाल 3-4 दिन बारिश का दौर जारी रहेगा। 5-6 दिसंबर से फिर मौसम में बदलाव आना शुरू होगा और बारिश की गतिविधियों में कमी आएगी। हालांकि 8-9 दिसंबर तक कहीं कहीं हल्की बूंदाबांदी का दौर जारी रहने का अनुमान है। अगले हफ्ते से प्रदेश में ठंड का असर तेज होने लगेगा और तापमान में भी गिरावट आएगी। इस दौरान सुबह ओस के साथ कोहरा देखने को मिलेगा। 15 दिसंबर से कड़ाके की ठंड पड़ना शुरू हो सकती है।

दिसंबर के दूसरे हफ्ते से तेज होगा ठंड का असर: एमपी मौसम विभाग की मानें तो 2-3 दिन तक जबलपुर सहित संभाग के जिलों में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ वर्षा व कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की संभावना है। ग्वालियर में भी अगले 48 घंटों के दौरान बादल छाए रहेंगे। इस दौरान ग्वालियर-चंबल संभाग में गरज-चमक के साथ कहीं-कहीं बारिश भी हो सकती है। ग्वालियर में भी पूर्वी हवाओं के कारण वातावरण में नमी बरकरार रहेगी।वही 6 दिसंबर के बाद मौसम साफ होगा और उत्तरी हवाओं के कारण पारे के गिरते ही कड़ाके की ठंड पड़ना शुरू हो जाएगी। इंदौर में अलनीनो के प्रभाव से दिसंबर के पहले सप्ताह में ठंड का असर सामान्य रहेगा लेकिन दूसरे सप्ताह में न्यूनतम तापमान में गिरावट होने के कारण ठंड का प्रभाव बढ़ेगा।

उच्च शिक्षा विभाग ने बढ़ाई तिथि, अगली कक्षा में प्रोन्नत होने के लिए एक माह का समय मिला

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने यूजी द्वितीय,तृतीय और पीजी तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश नवीनीकरण की तारीख 31 दिसंबर तक बढ़ा दी है। इन कोर्सेस में आनलाइन प्रवेश नवीनीकरण के लिए महाविद्यालय के लिए निर्धारित तिथि में वृद्धि की गई है।विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार सभी सरकारी, गैर सरकारी कालेजों में स्नातक द्वितीय, तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के प्रवेश नवीनीकरण का कार्य संबंधित पाठ्यक्रम के परीक्षा परिणाम घोषित होने के 30 दिन में आनलाइन ई-प्रवेश पोर्टल के माध्यम से करें। अभी तक करीब 50 हजार विद्यार्थियों का नवीनीकरण नहीं हुआ है। उच्च शिक्षा विभाग ने स्नातक द्वितीय, तृतीय वर्ष और स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों का नाम अगली कक्षा में प्रोन्नत करने के लिए 30 नवंबर तक का समय दिया है। दो माह से चल रही प्रक्रिया के बाद भी नौ लाख विद्यार्थियों का ही प्रमोशन हो सका है।

राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में मप्र ने जीते 15 पदक, इसमें दस नैंसी ने दिलाए

भोपाल (निप्र)। राजधानी में आयोजित हो रही 66 वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में मप्र अकादमी के निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच स्वर्ण, चार रजत व छह कांस्य सहित कुल 15 पदक जीते। इसमें नैंसी सोलंकी ने मप्र को 10 पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठा साबित की है। गोरेगांव स्थित मप्र शूटिंग अकादमी परिसर में यह प्रतियोगिता आयोजित हो रही है, जिसमें देशभर के शीर्ष निशानेबाज अपना कौशल दिखा रहे है। शुक्रवार को 50 मीटर फ्री पिस्टल सीनियर महिला सिविलियन चैंपियनशिप में मप्र अकादमी की नैंसी सोलंकी ने स्वर्ण पदक जीता। 50 मीटर फ्री पिस्टल जूनियर महिला सिविलियन चैंपियनशिप में नैंसी सोलंकी ने मप्र को दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया। 50 मीटर फ्री पिस्टल सीनियर महिला चैंपियनशिप के टीम इवेंट में मप्र की

तिकड़ी ने मप्र को तीसरा स्वर्ण पदक दिलाया। टीम में नैंसी सोलंकी, चिंकी यादव व मानवी जैन शामिल थी। 50 मीटर फ्री पिस्टल जूनियर महिला सिविलियन टीम चैंपियनशिप में भी मप्र की टीम ने स्वर्ण पदक जीता। स्वर्ण पदक विजेता टीम में नैंसी सोलंकी, आराध्या शर्मा व अंकिता प्रसाद शामिल थे। 50 मीटर फ्री पिस्टल जूनियर महिला टीम चैंपियनशिप में मप्र ने स्वर्ण पदक जीता। स्वर्ण पदक विजेता टीम में नैंसी सोलंकी, आराध्या शर्मा व अंकिता प्रसाद शामिल थे। 25 मीटर स्पोटर्स पिस्टल सीनियर महिला वर्ग में मप्र की टीम रजत पदक जीता। टीम में नैंसी सोलंकी, चिंकी यादव व मानवी जैन शामिल थी।25 मीटर स्पोटर्स पिस्टल जूनियर पुरुष वर्ग में में सूरज शर्मा, युगप्रताप सिंह व हरिओम की तिकड़ी ने रजत पदक जीता।

नीमच जिले की तीनों विधानसभा पर खिला कमल

जीत का श्रेय कार्यकर्ताओं व केंद्र व प्रदेश भाजपा सरकार को दिया

नीमच, 3 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव में एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी ने नीमच जिले की तीनों विधानसभा सीटों पर कब्जा कर पुन: कमल वभगवा का परचम लहरा दिया चुनाव जीतने के बाद भाजपा प्रत्याशी ओम प्रकाश सकलेचा, दिलीप सिंह परिहार और माधव मारूनेअपनी जीत का श्रेय पार्टी कार्यकर्ताओं और केंद्र और प्रदेश की सरकार की नीतियों को देते हुए जनता के प्रति आभार। जताया है साथ ही क्षेत्र के विकास के लिए पूरी ताकत से कार्य करने व जो सपने अधूरे हैं उन्हें पूरा करने की बात कही।

जीती तीनों सीटे–विधानसभा की मतगणना में नीमच विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी दिलीप सिंह परिहार ने 104 541 मत प्राप्त कर 26 650 मतसे कांग्रेस प्रत्याशी उमराव सिंह गुर्जर को हराया। मनासा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी माधव मारुने 90650 वोट प्राप्त कर 19465 वोटो से जीत दर्ज कर कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटाको पराजित किया इसी प्रकार प्रदेश के मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा ने जावद विधानसभा मे कांटे के मुकाबले में 64458 वोट प्राप्त कर कांग्रेस प्रत्याशी समुद्र पटेल को 2364 वोटसे पराजित किया।।

निकला विजय जुलूस–चुनाव जीतने के बाद विजय भाजपा प्रत्याशी दिलीप सिंह परिहार का विजय जुलूस निकला जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया नीमच सिटी चौराहे पर जमकर आतिशबाजी वह पुष्प वर्षा पर विजय प्रत्याशी दिलीप सिंह परिहार का भव्य स्वागत मनीष चौरसिया मित्र मंडल द्वारा किया गया जीत की खुशी में आलू बड़े वह पेड़े बांटे गए।

भारद्वाज –भटनागर की जोड़ी रही चर्चा में–विजय जुलूस में खुली जीप पर सवार नीमच विधानसभा चुनाव के संचालकवरिष्ठभाजपा नेता राकेश भारद्वाज वह वरिष्ठनेतामहेंद्र भटनागर की जोडी चर्चा मेंरही जिन्होंने पूरे चुनाव में सफल रणनीति से तमाम संसाधन जुटाकर भाजपा को जिताने में अहम योगदान दिया।

भाजपा जिला अध्यक्ष ने जताया आभार–नीमच जिले की तीनों सिटजीतने के बाद भाजपा जिला अध्यक्ष पवन पाटीदार ने भी जिले की जनता व भाजपा कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए विजय प्रत्याशियों को बधाई देते हुए केंद्र व भाजपा के नेता को धन्यवाद दिया जिनके प्रयासों से जिले और प्रदेश में भाजपा को जीत मिली।

पुरण अहीर ने दिखाई ताकत–जावद विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के बागी उम्मीदवार पूरण अहीरमें 36151 वोट प्राप्त कर अपनी ताकत दिखाई लेकिन वह फिर भी भाजपा को हराने में कामयाब नहीं हो पाए।

मारू ने दिखाया दम–मनासा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी माधव मारू ने जहां तमाम विरोध के बाद भी दूसरी बार पुन: विधानसभा का टिकट ही प्राप्त नहीं किया बल्कि फिर से क्षेत्र में ऐतिहासिक जीत दर्ज कर अपनी ताकत दिखा दी कि चाहे कुछ भी हो लेकिन उनके साथ जो कार्य करता है वह मजबूत है और उनके दम पर उन्होंने किला लडावचुनाव जीतने में सफलता प्राप्त की। माधव मारु के खिलाफ क्षेत्र के तमाम भाजपा के दिग्गज नेताओं ने एड़ी चोटी का जोर लगा लिया लेकिन फिर भी वह माधव मारुको नहीं रोक पाए।

चाक चोबंद रही प्रशासनिक व्यवस्था–विधानसभा चुनाव और मतगणना को लेकर जिला कले:टर दिनेश चंद्र जैन व एसपी अमित तोलानी के नेतृत्व में तमाम प्रशासनिक व्यवस्था चाक चौबंद रही कोई भी कहीं भी कोई कमी दिखाई नहीं दी संपूर्ण समय कले:टर व एसपी निरंतर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे बारिश के बाद भी व्यवस्थाएं बनी रही।

आप को नकारा, बाप को अपनाया

तीन महीने पहले लॉन्च हुई पार्टी ने मध्यप्रदेश-राजस्थान में 4 सीटों पर किया कब्जा

नईदिल्ली, 3 दिसम्बर। चार विधानसभा चुनाव । भाजपा ने मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में जीत हासिल की। वहीं, कांग्रेस की तेलंगाना में सरकार बनेगी। इन रिजल्ट नतीजों के बीच मध्यप्रदेश और राजस्थान में एक पार्टी चर्चा में है। ये राजनीतिक दल भारतीय आदिवासी पार्टी (BAP) है। तीन महीने पहले बनी पार्टी ने अपने प्रदर्शन से हैरान कर दिया। यहां तक कि इअझ आम आदमी पार्टी से आगे निकल गई।

भारतीय आदिवासी पार्टी ने 4 सीटें जीती–आप ने मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में 200 से अधिक प्रत्याशी मैदान में उतारे थे। हालांकि पार्टी का खाता नहीं खुला। अअझ के अधिकांश उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। भारतीय आदिवासी पार्टी ने चुनाव लड़कर अपनी प्रभाव दिखा दिया। इअझ को राजस्थान में 3 और मध्यप्रदेश में 1 सीट पर जीत मिली। भारतीय ट्राइबल पार्टी में विभाजन के बाद आदिवासी नेताओं ने नए संगठन भारतीय आदिवासी पार्टी बनाई। इस पार्टी ने मध्यप्रदेश और राजस्थान के आदिवासी इलाकों में बीजेपी और कांग्रेस को चुनौती दी। साथ ही 4 सीटों पर कब्जा कर लिया। इअझ तीन महीने पहले लॉन्च हुई थी। पार्टी में आदिवासी कार्यकर्ता शामिल है। इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहनलाल रोत हैं।

आप का मुफ्त देने का वादा जनता ने नकारा–भारतीय आदिवासी पार्टी ने मध्यप्रदेश और राजस्थान में आदिवासी बाहुल्य सीटों पर चुनाव लड़ा। पार्टी ने मैदान में 25 सीटों पर उम्मीदवार उतारे। वहीं, आम आदमी पार्टी दिल्ली व पंजाब में सरकार बनाने के बाद राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में अपना पैर जमाने की कोशिश में लगी है। पार्टी ने तीनों राज्यों में अपने उम्मीदवार उतारे। अरविंद केजरीवाल मुफ्त बिजली, पानी और एजुकेशन का वादा किया था। रैलियों और रोड शो का फायदा आप को नहीं मिला।

लायन सुब्रमणी को श्रद्धांजलि अर्पित की

मंदसौर, 3 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। लायन सुब्रमणि विश्वनाथ के दुखद निधन से लायंस क्लब इंटरनेशनल 3233 ई 2 में शोक की लहर व्याप्त हो गई। लायंस क्लब मंदसौर गोल्ड द्वारा लायन सुब्रमणी को अश्रुपूरित शोक श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर लायंस क्लब मंदसौर गोल्ड के संस्थापक लायन सुरेश सोमानी ,रीजन चेयरमैन लायन विजय पलोड़, लायंस क्लब मंदसौर गोल्ड के अध्यक्ष लायन राजकुमार पारीख,संभागीय सचिव लायन मनोज मित्तल, लायन वीरेंद्र सिंह चौहान ने उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा श्रद्धांजलि दी।

बगैर तलाशी जैल भेजा चोर अंत: वस्त्र में मिला सोने का हार

इंदौर, 3 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। रावजी बाजार थाने की पुलिस ने जिस चोर को हवालात में रखा, वह अंत:वस्त्रों में सोने का हार छुपाए बैठा था। पुलिसकर्मियों ने बगैर तलाशी जेल रवाना कर दिया। जेल दाखिले के समय कर्मचारियों ने परेड ली तो हार निकल आया। पूछताछ की तो भंवरकुआं क्षेत्र में चोरी करना कबूला। भंवरकुआं टीआइ राजकुमार यादव के मुताबिक आरोपित रोहित रघुनाथ भालसे को रिमांड पर लिया गया है। रोहित करीब 10 दिन पूर्व सेंट्रल जेल भेजा गया था। रोहित ने रावजी बाजार थाना क्षेत्र स्थित हरसिद्धि क्षेत्र में चोरी की थी। पुलिसकर्मियों ने पूछताछ की और जेल रवाना कर दिया। जेल दाखिले के समय जेलकर्मियों ने रोहित की तलाशी ली। शरीर के निशान देखने के दौरान सोने का हार निकल गया। पूछताछ की तो बताया कि उसने भंवरकुआं थाना क्षेत्र स्थित जानकी नगर में चोरी की थी। रावजी बाजार थाने के पुलिसवालों ने उसे बगैर तलाशी हवालात में रखा। कोर्ट से जमानत न मिलने से हार जेल तक आ गया। जेल से सूचना मिलने पर पुलिस ने रोहित की गिरफ्तारी ली और कोर्ट से अनुमति लेकर रिमांड मांगा।

थाना निशातपुरा पुलिस की बड़ी कार्यवाही

- गुना जिला के पारदी गेंग के एक सदस्य को चोरी की 06 मोटर साईकिलों के साथ किया गिरफ्तार
- कुल कीमती चार लाख तीस हजार रूपये का मशरूका बरामद

भोपाल(निप्र)। वाहन चोरी के अपराधो की रोकथाम हेतु वाहन चोरो की धरपकड़ हेतु पुलिस आयुक्त भोपाल हरिनारायणचारी मिश्र एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी द्वारा दिये दिशानिर्देशो के पालन में पुलिस उपायुक्त जोन-4 सुन्दर सिंह कनेश तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त जोन-4 मलकीत सिंह के मार्गदर्शन में प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

दिनांक 28/11/2023 को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि देवकी नगर ब्रिज के नीचे एक शातिर वाहन चोर, चोरी की मोटर साईकिल लिए खड़ा है। उक्त सूचना से वरिष्ठ अधिरियों को अवगत कराया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश अनुसार सहायक पुलिस आयुक्त निशातपुरा संभाग श्रीमती ऊषा जैन के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निशातपुरा रुपेश दुबे द्वारा थाना बल की टीम को मुखबिर के बताये स्थान देवकी नगर ब्रिज के पास भेजा गया। पुलिस टीम को वहां पर मुखबिर के बताये हुलिया का एक संदिग्ध व्यक्ति पल्सर 200cc काले रंग की मोटर साईकल लिये खड़ा दिखा जिसने पुलिस टीम को देख कर भागने का प्रयास किया।

पुलिस टीम द्वारा भाग रहे संदिग्ध को घेरा बंदी कर पकड़ लिया गया। पकड़े गये व्यक्ति का नाम पता पूछने पर उसने स्वयं को धनीराम पारदी पिता शंकर पारदी आयु 20 वर्ष निवासी ग्राम बीलाखेड़ी थाना धरनावदा जिला गुना का रहने वाला बताया। पकड़े गये वाहन चोर ने पूछताछ में बताया कि मैं कई बार बस बैठ कर अपने गांव से भोपाल करोंद क्षेत्र आता हूं और रात को कालोनियों में घुमकर मकान के सामने खड़ी मोटर साईकिल का लाक तोड़कर चोरी कर वापस अपने गांव ले जाता हूं। मैने करोंद क्षेत्र से यह पल्सर 200सीसी गाड़ी चोरी करना बताया। गहनता से पूछताछ करने पर पकड़े गये वाहन चोर द्वारा भोपाल शहर के निशातपुरा क्षेत्र से 05 और मोटर साईकिल चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये वाहन चोर की निशादेही पर चोरी की गई, सभी मोटर साईकिल जिसमें दो पल्सर, एक होण्डा शाईन, एक स्पलेण्डर पल्सर, एक बजाज सीटी 125, एक पैशन को बरामद कर लिया गया है। पुलिस पूछताछ में पकड़े गये वाहन चोर ने बताया कि वह भोपाल शहर से वाहन चोरी कर अपने ग्रामीण क्षेत्रो में 05 से 07 हजार रुपये में बेच देता हूं। बरामद मशरूका - 02 पल्सर मोटर साईकिल, 01 स्पलेण्डर, 01 होण्डा शाईन, 01 पैशन, 01 बजाज सीटी कुल कीमती 04 लाख 30 हजार रुपये सराहनीय भूमिका- थाना प्रभारी निरीक्षक रुपेश दुबे, उप निरीक्षक एम.डी. अहिरवार, उप निरीक्षक विश्वीर सिंह जाट, प्रधान आरक्षक मोहन श्रेष्ठ, आरक्षक अमित डांके, आरक्षक आर्चकित कामले, आरक्षक मनीष उपाध्याय, आरक्षक चतर सिंह, आरक्षक विपिन सिंह जाट, आरक्षक योगेन्द्र शर्मा, आरक्षक महेश मालवीय।

लालघाटी से एयरपोर्ट तक 6 दिन स्ट्रीट लाईट बंद

अंधेरे के कारण हो रही दुर्घटनाएं, लोग परेशान

भोपाल(निप्र)।

पहले तो सालभर से अधिक समय तक हलालपुर एवं लालघाटी से संत हिरदाराम नगर तक स्ट्रीट लाईट बंद रही बताया गया कि केबिल चोरी हो गई है किसी तरह जाकर नई केबिल डाली गई और लाइट चालू हुई लेकिन अब वीआयपी इलाके लालघाटी से एयरपोर्ट तक बीते 6 दिन से स्ट्रीट लाईट बंद है। लगभग 3 किलो मीटर इलाके में सड़क के दोनो तरफ स्ट्रीट लाईट की व्यवस्था दो साल पूर्व ही की गई जिसमें नई केबिल डाली गई थी, बावजूद इसके स्ट्रीट लाईट क्यों बंद है नगर निगम स्मार्ट सिटी अधिकारियों के पास कोई जवाब नहीं है।

गुजरते है वीआयपी लोग : एयरपोर्ट पर केन्द्रीय मंत्रियों, प्रदेश सरकार के मंत्रियों, मुख्यमंत्री से लेकर कई आईपीएस, आईएएस अधिकारी गुजरते हैं, लेकिन छह दिन से स्ट्रीट लाइट बंद है और नगर निगम को कोई खबर नहीं है या यूं कहा जाए कि खबर होने के बाद भी अंजान बना हुआ है। यह अधिकांश इलाका वार्ड 6 में आता है। पार्षद ज्योति यादव जोन 20 की अध्यक्ष है जबकि उनके पति जगदीश यादव जिला भाजपा महामंत्री है। कुछ हिस्सा वार्ड 2 की भाजपा पार्षद कुसुम चतुर्वेदी एवं गांधीनगर का हिस्सा कांग्रेसी पार्षद लक्ष्मण राजपूत का एरिया है, लेकिन तीनो पार्षद इस दिशा में

आपके अपने मन्दसौर के लिए एक माह में एक घंटा अवश्य निकालें-भट्ट

मंदसौर, 3 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। जिस प्रकार से हम अपने तन की स्वच्छता का ध्यान प्रतिदिन रखते हैं ठीक उसी प्रकार से हम जिस मिट्टी में, जिस नगर में हम पैदा हुए, खेले-कूदे, बड़े हुए वह मन्दसौर नगर स्वच्छ व सुन्दर बने, मन्दसौर नगर का वातावरण 'अनुरागमय' हो। यह हम सबका का परम पुनीत दायित्व है। इस हेतु मन्दसौर नगर के प्रत्येक नागरिक से विनम्र निवेदन है कि हम सब एक माह में कम से कम एक घंटे का समय निकालकर मन्दसौर नगर को स्वछ, सुन्दर व जल संवर्धन के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए जनजागरूकता लाएं।

उक्त बात समाजसेवी वीरेंद्र भट्ट ने कही। वे अनुराग संस्था द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को स्वच्छता, पर्यावरण व जल संवर्धन को लेकर निकाली जाने वाली जनजागरण पदयात्रा के अवसर पर अपनी भावना व्यक्त कर रहे थे। अनुराग जनजागरूकता पदयात्रा में अजीजुल्लाह खान, डॉ. देवेंद्र पौराणिक वीरेंद्र भट्ट, योगेशसिंह, रमेश सोनी, जगदीश भाई आदि गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। संचालन गोपालकृष्ण पंचारिया ने किया।

संसदीय क्षेत्र में लाड़ली और मामा का चला जादू..!... पेज 1 से जारी

हरदीप को बढत मिली। यहां 1695 मतदाताओं ने नोटा का उपयोग किया।

जगदीश जीते, परशुराम तीसरे नंबर पर...

मल्हारगढ़ में जीत का मार्जिन चौकाने वाला रहा। यहां भाजपा के जगदीश देवड़ा ने 59 हजार 24 मतों से जीत हासिल की। जबकि यहां त्रिकाणीय मुकाबला था। एक और महत्वपूर्ण बात यह रही कि कांग्रेस के बागी श्यामलाल जोकचंद दूसरे नंबर पर रहे तो कांग्रेस प्रत्याशी परशुराम सिसौदिया तीसरे नंबर पर पहुंच गए। जगदीश देवड़ा को 1 लाख 15 हजार 498 वोट मिले। निकटतम प्रतिद्वंदी श्यामलाल जोकचंद 56 हजार 474 तक सीमित रहे। मल्हारगढ में 1730 मतदाताओं ने नोटा का उपयोग किया।

गरोठ में चंदरसिंह, पूर्व मंत्री सोजतिया फिर हारे...

पूर्व मंत्री कांग्रेस प्रत्याशी को दूसरी बार भाजपा प्रत्याशी चंदरसिंह सिसौदिया ने हराया। खास बात यह रही कि यहां पूर्व विधायक देवीलाल धाकड़ को लेकर भाजपा के विरोध की चर्चाएं थी। जिससे मुकबाला कांटे का बताया जा रहा था। लेकिन, यहां जीत का अंतर रहा 18 हजार 107 वोट का। यहां कभी ऐसा नहीं लगा कि कांग्रेस मुकाबले में दम भर रही है। चंदरसिंह को 1 लाख 8 हजार 602 वोट मिले। जबकि, सोजतिया को 90 हजार 495 मत प्राप्त हुए। गौरतलब है कि भाजपा ने यह सीट फंसी हुई मानी थी। यहां भाजपा को भारी भितरघात का सामना भी करना पड़ा। इसके बावजूद भाजपा की जीत ने सारे समीकरण बदल डाले।

नीमच की तीनो सीटों पर भाजपा का कब्जा...

इधर संसदीय क्षेत्र और नीमच जिले की तीन सीटों पर भी भाजपा का कब्जा बरकरार रहा। नीमच से दिलीप सिंह परिहार ने कांग्रेस उम्मीदवार उमराव सिंह गुर्जर को 26 हजार 650 वोटों से हराया है। जावद सीट से भाजपा प्रत्याशी व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा ने कांग्रेस उम्मीदवार समंदर पटेल को 2 हजार 364 मतों से हराया है। मनासा सीट से बीजेपी उम्मीदवार अनिरूद्ध माधव मारू ने कांग्रेस प्रत्याशी व पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र नहाटा को 19 हजार 565 वोटों से पराजित किया है।

बता दें कि शासकीय स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय परिसर नीमच में रविवार को वोटों की गिनती हुई। जावद सीट की 16 राउंड, मनासा सीट की 18 राउंड, जबकि नीमच सीट की 20 राउंड में गिनती पूरी हुई। जिले में सूक्ष्म लघु मध्यम उद्योग मंत्री ओम प्रकाश सकलेचा सहित 23 उम्मीदवार मैदान में थे। नीमच से 9, मनासा से 6 और जावद सीट से 8 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला हुआ। जिले में इस बार 84.26 फीसदी लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जो 2018 के चुनाव 82.85 फीसदी से 1.41 फीसदी ज्यादा था। जिले में इस बार 6 लाख 9 हजार 602 मतदाताओं में से 5 लाख 13 हजार 658 वोटरों ने मतदान किया। इनमें 2 लाख 48 हजार 515 महिलाएं, 2 लाख 65 हजार 139 पुरुष और थर्ड जेंडर 4 शामिल हैं। 2018 चुनाव में तीनों सीटों पर भाजपा का कब्जा था।

तीन राज्यों में भगवा लहर तेलंगाना में कांग्रेस

	भाजपा	कांग्रेस	अन्य	बहुमत/सीटें
मध्य प्रदेश	163	66	01	116/230
राजस्थान	115	69	15	100/199
छत्तीसगढ़	54	36	00	46/90

सीटें: 119 बहुमत: 60	तेलंगाना	कांग्रेस	बीआरएस	भाजपा	अन्य
		64	39	08	08

इधर जावरा में भी पाण्डेय जीते...

संसदीय क्षेत्र की जावरा सीट पर बीजेपी प्रत्याशी डॉ. राजेंद्र पाण्डेय ने 26 हजार 21 वोट से जीत दर्ज की है। डॉ. पाण्डेय ने इस सीट पर दूसरे नंबर पर रहे कांग्रेस के प्रत्याशी वीरेंद्र सिंह सोलंकी को हराया है। डॉ. राजेंद्र पाण्डेय के खाते में कुल 92 हजार 19 वोट पडे। तो वहीं सोलंकी को कुल 65 हजार 998 वोट प्राप्त हुए।

जीत का जश्न...

जीत के परिणाम आते ही जीत का जश्न मतगणना स्थल राजीव गांधी महाविद्यालय मंदसौर के नजदीक श्री कोल्डचौराहा पर बनने लगा। यहां नेताओं के समर्थक प्रत्याशी की खुशी में नाचते हुए नजर आए। नेताओं के कार्यालयों और घर पर बधाई देने वालों को तांता लगा गया। शहर में शाम को पटाखों की गूंज दिवाली की भांती नजर आ रही थी।

भाजपा की प्रचंड जीत पर नाहरगढ़ में ढोल, डीजे के साथ दी बधाई

नाहरगढ़, 3 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी ऐतिहासिक जीत पर नाहरगढ के भाजपा, कार्यक्रताओं ने बस स्टैंड पर जबरदस्त तरीके से आतिशबाजी के साथ नगर में डीजे और ढोल की थाप पर जमकर झूमते हुए उत्साह साथ जीत का जशन मनाया और सभी को एक दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं प्रेषित की,, इस अवसर, महेंद्र सेठिया, छत्रीवाल, अरुण भटनागर, मुकेश धनोतिया, यादव प्रसाद विश्वकर्मा, लवलेश मंडलोई, पंकज काका, पवन माली, ललित मुजवादिया, श्याम गरगामा, राजू राठौर चाय वाला, अनिल राव, राहुल भाटी, मनीष साहू, राहुल भाटी, गौरव सोनी, मूलचंद खारोल, कमल खारोल, कमल धाकड, उत्सव धाकड, शभुलाल खारोल, विकास पंडित, मोहन धनगर, सहित सैकडों, कार्यक्रता मोजुद थे।

दशपुर रंगमंच द्वारा संगीत संध्या संपन्न

मंदसौर, 3 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। नगर की सांस्कृतिक संस्था दशपुर रंगमंच द्वारा संगीत संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुंबई से आए प्रदीप शर्मा ने मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण किया।

अतिथि परिचय देते हुए कार्यक्रम संयोजक अभय मेहता ने बताया कि प्रदीप शर्मा दूरदर्शन के रिटायर्ड ऑफिसर है वे फिल्मों में चरित्र अभिनेता की भूमिका भी निभा रहे हैं वह अच्छे गायक व लेखक भी है। कार्यक्रम की शुरुआत सतीश सोनी के गीत रुक जाना नहीं कहीं हार के कांटों पर चल के मिलेंगे साये बाहर के प्रस्तुत किया। वहीं आबिद भाई ने गीत चिट्ठी ना कोई संदेश गाया। मुम्बई से आये प्रदीप शर्मा ने गीत होश वालों को खबर क्या बेखुदी क्या चीज है बखूबी प्रस्तुत किया। वहीं डॉ महेश शर्मा ने गीत पुकारो मुझे नाम लेकर पुकारो प्रस्तुत किया।

स्वाति रिछावरा ने गीत बाहों में चले आओ तुमसे सनम क्या पर्दा है व ललिता मेहता ने कोई जब तुम्हारा हृदय तोड दे गाया। कार्यक्रम संयोजक अभय मेहता ने गीत चलो एक बार फिर से अजनबी बन जाए हम दोनों को प्रस्तुत किया। वहीं दीपक मंडलोई ने गीत गाया चिट्ठी आई है वतन से चिट्ठी आई है प्रस्तुत किया। संचालन अभय मेहता ने किया व आभार ललिता मेहता ने माना।

चीन-नाइजीरिया और दुबई में बैठे साइबर अपराधी इंदौर के लोगों से कर रहे ठगी

इंदौर, 3 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। विदेशों में बैठे साइबर अपराधी इंदौर में फर्जीवाडा कर रहे हैं। अपराध शाखा के पास सैकडों पीडितों ने शिकायत दर्ज करवाई है। अपराध शाखा ने चीन, नाइजीरिया, दुबई और थाईलैंड में बैठे अपराधियों की जानकारी जुटा ली है। गिरफ्तारी के लिए अंतरराष्ट्रीय संधि की मदद ली जा रही है।

डीसीपी (अपराध) निमिष अग्रवाल के मुताबिक, टेक्नोलाजी के विस्तार का फायदा उठाकर अपराधी विदेश में बैठे-बैठे आसानी से अपराध कर लेता है। निवेशक भी बगैर देखे-जाने आनलाइन रुपये निवेश कर देते हैं। इस वर्ष हमने सात प्रकरणों में पाया कि सैकडों करोड के फर्जीवाडे के असल मास्टर माइंड विदेश में हैं। वर्चुअल नंबरों से छोटे लोगों के जरिए पूरे भारत में ठगी कर लेते हैं। पुलिस ने उनके खिलाफ जानकारी जुटा ली, लेकिन विदेश में होने के कारण उन तक पहुंचना आसान नहीं है। हमने लुक आउट नोटिस भी जारी करवाया है।

इंडोनेशिया से गरीबों को फंसाया- अपराध शाखा ने ग्रीन एनर्जी स्कैम मामले में धोखाधडी का केस दर्ज किया। मामले में पुलिस खाता धारकों तक पहुंची तो पता चला कि उन्होंने कमीशन के लालच में खाते मुहैया करवा दिए। स्कैम का मास्टर माइंड इंडोनेशिया में बैठा हुआ था। आयात-निर्यात का

कारोबार करने वाले एक कारोबारी ने शिकायत दर्ज करवाई कि उनसे दक्षिण अफ्रीका अनाज भेजने की डील हुई थी। उसको फर्जी ट्रांजेक्शन भी दर्शा दिए गए थे। जांच की तो मास्टर माइंड दुबई का निकला। वहीं एक युवती से इन्फुलेंसर की फर्जी आइडी के जरिए 19 लाख ठगे। उससे बिट क्वाइन में 19 लाख रुपये निवेश करवा कराए गए। युवती ने वालेट जांचा तो खाली मिला।

क्रिप्टो करंसी के नाम पर युवती को ठगा- विजय नगर थाने की पुलिस ने युवती की शिकायत पर साइबर अपराधी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया है। आरोपितों ने युवती को पार्ट टाइम जाब और बिट क्वाइन (क्रिप्टो करंसी) में निवेश करने का झांसा दिया था। पुलिस के मुताबिक, स्कीम-74 निवासी (विजय नगर) निवासी आयुषी चौधरी ने शिकायत दर्ज करवाई है। आयुषी के पास 12 सितंबर को वाट्सएप पर मैसेज आया था। मैसेज भेजने वाले ने प्राची नाम बताया। उसने पार्ट टाइम जाब और क्रिप्टो करंसी में निवेश करने की सलाह दी।

रोज हजारों कमाए और अचानक लाखों गंवा बैठे- साइबर अपराधियों ने लोगों को रोजाना हजारों रुपये कमाने का झांसा देकर लाखों रुपयों की चपत लगाई है। पीडितों ने अपराध शाखा में शिकायत दर्ज करवाई है। प्रारंभिक जांच में ठगी का आंकडा 50 लाख रुपये तक पहुंच गया है। डीसीपी (अपराध) निमिष अग्रवाल के मुताबिक, फिलहाल प्रीत कमल मालवीय (सेवा सरदार नगर) की शिकायत पर केस किया है। प्रीत ने ठग के कुछ नंबर भी उपलब्ध करवाए हैं। युवती के मुताबिक, आरोपितों ने मई में द वाईन ग्रुप में निवेश करने का झांसा दिया था। आरोपितों ने सक्रिय सदस्य को निवेश की राशि दो से तीन गुना करने का प्रलोभन दिया। टीम मेंबर बढाने पर कमीशन बढाने का कहा गया।

इंदौर-2 विधानसभा सीट पर भाजपा के रमेश मेंदोला 1 लाख वोटों से जीते, कांग्रेस प्रत्याशी चिंटू चौकसे हारे

इंदौर, 3 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। वर्ष 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में, यानी पिछले विधानसभा चुनाव में इस विधानसभा सीट पर कुल 335262 मतदाता थे, और उन्होंने बीजेपी उम्मीदवार रमेश मेंदोला को 138794 वोट देकर विजयश्री प्रदान की थी, और विधायक बना दिया था, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार एडवोकेट मोहन सिंह सेंगर को 67783 मतदाताओं का भरोसा हासिल हो पाया था, और वह 71011 वोटों से चुनाव हार गए थे।

विधानसभा चुनाव 2008 में इंदौर 2 विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी उम्मीदवार रमेश मेंदोला को कुल 75333 वोट हासिल हुए थे, और वह विधानसभा पहुंचे थे, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी सुरेश सेठ दूसरे पायदान पर रह गए थे, क्योंकि उन्हें 35396 वोटरों का ही समर्थन मिल पाया था, और वह 39937 वोटों से चुनाव में पिछड गए थे। साल 2013 में हुए विधानसभा चुनाव में इंदौर 2 विधानसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार रमेश मेंदोला ने जीत हासिल की थी, और उन्हें 133669 मतदाताओं का समर्थन मिला था. विधानसभा चुनाव 2013 के दौरान इस सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार छोटू शुक्ला को 42652 वोट मिल पाए थे, और वह 91017 वोटों के अंतर से दूसरे पायदान पर रह गए थे.

राजनीतिक इतिहास- विधानसभा चुनाव 2018 में, यानी पिछले विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश सूबे में 114 सीटों पर जीतकर कांग्रेस राज्य में सबसे बडी पार्टी बनी थी, जबकि 230-सदस्यीय विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी (इगझ) के खाते में 109 सीटें ही आ पाई थीं। बाद में कांग्रेस ने 121 विधायकों के समर्थन का पत्र राज्यपाल को सौंपा था और कमलनाथ ने बतौर मुख्यमंत्री शपथ ली थी. लेकिन फिर डेढ साल बाद ही राज्य में नया राजनीतिक तूफ़ान खडा हो गया, जब ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने समर्थक 22 विधायकों के साथ इगझ में शामिल हो गए. इससे बहुमत इगझ के पास पहुंच गया और शिवराज सिंह चौहान एक बार फिर सूबे के मुख्यमंत्री बन गए।

जनादेश स्वीकार है गरोठ विकास के लिए कार्य करते रहेंगे-सोजतिया

मंदसौर, 3 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। चुनाव परिणामों के बाद गरोठ विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी सुभाष सोजतिया ने कहा कि जनादेश स्वीकार है। गरोठ विकास के लिए सदैव कार्य करते रहेंगे। आपने कहा कि गरोठ की जनता से जो आशीर्वाद दिया उसके लिऐ मैं सदैव उनका आभारी रहूंगा।

कलेक्टर एवं एसपी ने दी सभी को बधाई

नीमच, 3 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले में विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत 3 दिसम्बर रविवार को स्वतंत्र निष्पक्ष शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित मतगणना एवं निर्वाचन संपन्न होने पर जिले के सभी मतदाताओं, अभ्यर्थियों और अभिकर्ताओं, मतदान दलों के अधिकारी कर्मचारियों, सुरक्षा बलों, जवानों को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन एवं पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार तोलानी ने सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। कलेक्टर एवं एसपी ने निर्वाचन कार्य में किए गए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया है।कलेक्टर एवं एसपी ने कहा कि निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य को नीमच जिले में सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में सभी ने अभूतपूर्व योगदान दिया है। इसके लिए सभी बधाई के पात्र है।

एजेंसी देना है

शामगढ़, मल्हारगढ़ व धुधड़का में

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

की एक और एजेन्सी देना है। इच्छुक व्यक्ति दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक संपर्क करें।

9425105927, 28 -07422-495831

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

15, नपा मार्केट, नयापुरा रोड़, मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in